SWAMI VIVEKANANDA MAHILA MAHAVIDHYALAYA, ROOPANGARH

FACULTY NAME : DR. MADHU RANI

COURSE : BA I YEAR

PAPER : GANDHIAN THOUGHT

UNIT : I

SESSION NAME : BIOGRAPHY OF MAHATMA GANDHI

शिक्षण उद्देश्य (TEACHING OBJECTIVE)

- विद्यार्थी महात्मा गांधी के जीवन परिचय से अवगत हो सकेंगे।
- महात्मा गांधी के जीवन की प्रेरक घटनाओं से विद्यार्थी सीख ले सकेंगे।

महात्मा गाँधी

बीसवी शताब्दी को जिस अनोखे महापुरुष ने सबसे अधिक प्रभावित किया था, वह थे – महात्मा गांधी जी | वे आज धरती पर नही है, किन्तु, सत्य, अहिंसा और प्रेम के सिद्धांतो पर आधारित उनका जीवन सन्देश आज भारत की सीमाओं से निकलकर सारे संसार को जीवन प्रदान कर रहा है | गांधी जी की माता धर्मनिष्ठ और साधु – स्वभाव की महिला थी | माता की आस्तिकता और सत्यपरायणता की गहरी छाप गांधी जी पर व्यापक रूप से पड़ी | अपने बचपन में उन्होंने सत्यवादी हरिश्चन्द्र नाटक देखा था और श्रवणकुमार नमक नाटक पढ़ा था | इन दोनों नाटको के आदर्शो का उनके मन पर गहरा प्रभाव पड़ा | महात्मा गांधी जी भारत के एक महान राष्ट्र निर्माता थे |

महात्मा गाँधी

- <u>जन्म – स्थान</u>
- अहिंसा के पुजारी और करूणा के अवतार महात्मा गांधी जी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 ई० को गुजरात प्रदेश के पोरबंदर नामक स्थान पर हुआ था |
- <u>गांधी जी के पिता</u>
- महात्मा गांधी जी के पिता का नाम करमचंद गांधी था | गांधी जी के पिता राजकोट में एक दीवान थे |
- <u>गांधी जी की माता</u>
- महात्मा गांधी जी की माता का नाम पुतलीबाई था | गांधी जी की माता धर्मानिष्ठ और शांत स्वभाव की महिला थी |
- <u>महात्मा गांधी का पूरा नाम</u>
- महात्मा गांधी जी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था |

महात्मा गाँधी

- <u>महात्मा गांधी की शिक्षा</u>
- गांधी जी की प्रारम्भिक शिक्षा राजकोट में हुई | 1887 ई० में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद वे वैरिस्टर की पढ़ाई करने के लिए इंग्लैण्ड चले गये और 1891 ई० में वैरिस्टर बन कर भारत वापस आये | भारत लौटने पर उन्होंने अपनी वकालत आरम्भ की और कुछ दिन राजकोट एवं बम्बई में वकालत करने के पश्चात् एक मुकदमे की पैरवी के लिए 1893 ई० में वे दक्षिण अफ्रीका चले गए |
- <u>महात्मा गांधी का विवाह</u>
- मात्र तेरह वर्ष की उम्र में सन् 1883 ई० में गांधी जी का विवाह कस्तूरबा गांधी के साथ हो गया |
- <u>महात्मा गांधी की पत्नी</u>
- गांधी जी की पत्नी का नाम कस्तूरबा गांधी था |
- <u>महात्मा गांधी के सिद्धांत</u>
- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के सिद्धांत सत्य और अहिंसा थे |
- <u>राजनीतिक गुरु</u>
- महात्मा गांधी जी के राजनितिक गुरु गोपालकृष्ण गोखले थे |

दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी

दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी ने भारतीयों की दयनीय दशा देखी | वहाँ भारतीयों के साथ पशुओं जैसा व्यवहार किया जाता था | गौरो और कालो के भेद ने गांधी जी के हृदय में विद्रोह की ज्वाला उत्पन्न कर दी | वहां पर उन्हें भी कई बार अपमानित किया गया | यह सब देखकर उनका हृदय विद्रोह से भर उठा | उन्होंने वैधानिक ढंग से युध्द छेड़ दिया | इसके लिए उन्होंने सत्याग्रह और अहिंसा का अस्त्र अपनाया | उनके आन्दोलन का अनुकूल प्रभाव हुआ और दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों को सम्मानपूर्ण जीवन मिला | इस प्रकार सफलता प्राप्त करके गांधी जी प्रसिध्दि के शिखर पर पहुँचे |

भारत में महात्मा गांधी

महात्मा गांधी जी दक्षिण अफ्रीका में जनप्रिय हो चुके थे | भारतीय राजनीति उनका स्वागत करने के लिए तैयार खड़ी थी | उस समय लोकमान्य बालगंगाधर तिलक और गोपालकृष्ण गोखले राजनीति के मैदान में थे | उन्होंने गांधी जी का स्वागत किया और गांधी जी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानी बन गए | उन्होंने अहमदाबाद के पास के तट पर अपने आश्रम की स्थापना की और वही से भारत की कोटि – कोटि जनता का मार्गदर्शन करने लगे|

महात्मा गांधी का स्वतंत्रता आन्दोलन और जेल यात्राएं

महात्मा गांधी जी ने भारत की स्वतंत्रता के लिए देशव्यापी आन्दोलन छेड़ दिया | उन्होंने चरखे को स्वतंत्रता का प्रतीक बनाया और अहिंसा को इस आन्दोलन का अस्त्र बनाया | स्वतंत्रता आन्दोलन के इस कर्मठ सिपाही को अनेक बार जेल – यात्राए भी करनी पड़ी | महात्मा गांधी जी ने सन् 1942 ई० में बम्बई अधिवेशन में नारा दिया अंग्रेजो भारत छोडो अब अंग्रेजो ने मन ही मन में समझ लिया था कि उन्हें भारत से जाना ही होगा | अंत में गांधी जी की नीति की विजय हुई और सन् **1947** ई० में भारत स्वतंत्र हुआ |

महात्मा गाँधी की मृत्यु

देश की आजादी को अभी एक वर्ष भी न बीता था की **30** जनवरी **1948**

ई० की संध्या को नाथूराम गोडसे नामक व्यक्ति ने अपने रिवाल्वर की गोलियों

से गांधी जी की हत्या कर दी | इस प्रकार भारत का महान संत, पीड़ित मानवता

का एकमात्र आश्रय और विश्व का महान व्यक्तिव संसार से विदा हो गया |

महात्मा गांधी के महान आदर्श

महात्मा गांधी जी धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे | वे अहिंसा के पुजारी थे, किन्तु उनकी अहिंसा में वीरता, निडरता तथा दृढ़ संकल्प विद्यमान थे | सत्य, अहिंसा और धर्म का राजनीति में प्रयोग करके गांधी जी ने एक अदभुत आदर्श प्रस्तुत किया | गांधी जी ने अपने इन्ही आदर्शो के बल पर ब्रिट्रिश साम्राज्य की नींव तक हिला दी | गांधी जी का ईश्वर में अटल विश्वास था | सत्य को उन्होंने ईश्वर का दूसरा रूप बताया है | उनकी कथनी और करनी में कोई भेद नहीं था | अत: उन्होंने धर्म को सदाचार का नाम दिया और सारे धर्मो में सामान भाव पैदा करने के लिए सत्याग्रह का सहारा लिया

महात्मा गांधी जी द्वारा चलाये गए महत्वपूर्ण आन्दोलन व सत्याग्रह

आन्दोलन व सत्याग्रह	वर्ष
चाम्पारण सत्याग्रह आंदोलन	1917
अहमदाबाद मजदूर आंदोलन	1918
खेड़ा सत्याग्रह आंदोलन	1918
खिलाफत आंदोलन	1919
असहयोग आंदोलन	1920
सविनय अवज्ञा आंदोलन	1930
व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन	1940
भारत छोड़ो आंदोलन व अगस्त क्रांति	1942

महात्मा गांधी के प्रमुख आश्रम

फिनिक्स फार्म	डरबन (दक्षिण अफ्रीका)	1904 ई.
टॉलस्टाय फार्म	जोहन्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)	1910 ई.
साबरमती आश्रम	साबरमती नदी (अहमदाबाद)	1915 ई.
सत्याग्रह आश्रम	कोचरब (अहमदाबाद)	1915 ई.
अनाशक्ति आश्रम	कौसानी (उत्तराखंड)	1929 ई.
सेवाग्राम आश्रम	वर्धा (महाराष्ट्र)	1936 ई.

प्रमुख पुस्तकें

- सत्य के साथ मेरे प्रयोग (आत्मकथा),
- इंडिया ऑफ माई ड्रीम्स,
- अनासक्त योग,
- हिंद स्वराज (1909 ई.),
- गीता माता,
- सप्त महाव्रत (गांधी जी का वास्तविक दर्शन व पश्चिमी सभ्यता का विरोध),

प्रमुख समाचार पत्र

- द ग्रीन पैम्पलेट (14 अगस्त 1896, राजकोट)
- इंडियन ओपिनियन (1903 ई., दक्षिण अफ्रीका में)
- यंग इंडिया (1919 ई.)
- हरिजन (1932 ई.)

Thank You